थकान का लक्षण : यह एक उच्च तनावपूर्ण संवेगात्मक अवस्था है जो संवेगात्मक, वैयक्तिक, अंतरवैयक्तिक और व्यावसायिक कार्यप्रणाली में हस्तक्षेप करती है।

5.8 कुछ उपयोगी पुस्तकें

1) गेल्डर्ड के, गेल्डर्ड डी, (1999), काउंसलिंग एडोलेसेंटस, सेज पब्लिकेशनस, लंदन।

2) इग्नू स्टडी मेटिरियल ऑन काउंसलिंग ऐज पार्ट ऑफ कम्यूनिकेशन एंड काउंसलिंग कोर्स।

3) मैक लेआड जे. (1998), एन इंट्रोडक्शन टू काउंसलिंग, ओपन युनिवर्सिटी प्रेस, पोर्टलेंड।

4) ट्रोवर, पी. (1998), कॉगनिटिव-बिहेवियरल काउंसलिंग इन एक्शन, सेज पब्लिकेशन, लंदन।

5) सेडेन जे. (1999), काउंसलिंग स्किल्स इन सोशल वर्क प्रेक्टिस, ओपन युनिवर्सिटी प्रेस, पोर्टलैंड।

6) टूडर के, ग्रुप काउंसलिंग, सेज पब्लिकेशनस, लंदन।